Edition: Sep 2026

HAMETI DARPAN

MONTHLY NEWS LETTER

HARYANA AGRICULTURAL MANAGEMENT & EXTENSION TRAINING INSTITUTE (HAMETI)

(An Institute of Agriculture & Farmers Welfare Department, Haryana)

By-Pass Rohtak Road, JIND-126 102 (Haryana)

श्री विजयेंद्र कुमार, IAS

अध्यक्ष, हमेटी एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

मुझे यह कहते हुए हर्ष का अनुभव हो रहा है कि हरियाणा कृषि प्रबन्धन एंव प्रशिक्षण संस्थान "हमेटी" अपने मासिक समाचार पत्र "हमेटी दर्पण" का प्रकाशन कर रहा है। इस समाचार पत्र के माध्यम से कृषि से सम्बन्धित सभी आवश्यक सूचनाएं, सलाह, कृषि एवं किसान विभाग द्वारा किसान हित में चलाई जा रही योजनाएं व किसानों के लिए आयोजित किए जाने प्रशिक्षणों की जानकारी समय पर गाँव गाँव तक पहुँच सकेगी। यह समाचार पत्र किसानों को "हमेटी व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के साथ जोड़ने में मददगार होगा। मैं इस मासिक समाचार पत्रिका हमेटी दर्पण "के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ।

श्री अमित खत्री IAS

Vice Chairman, HAMETI-cum
Direactor, Agriculture and Farmers' Welfare department, Haryana

हमेटी, जींद मासिक समाचार पत्रिका 'हमेटी दर्पण' का प्रकाशन कर रही है, यह अति हर्ष का विषय है। हमेटी जींद निरंतर कृषि और किसान के हित में अतुल्य सहयोग दे रही है और यह हमारे लिए गर्व की बात है। हमेटी, जींद द्वारा किए जा रहे नए-नए प्रयास निरंतर सफलता के कीर्तिमान स्थापित करने जा रहे हैं। हमेटी दर्पण भी उन्हीं सफल प्रयासों में से एक है। हमेटी दर्पण के माध्यम से किसानों का जो ज्ञानवर्धन होगा वह अत्यंत सराहनीय होगा। मैं हमेटी की मासिक समाचार पत्रिका 'हमेटी दर्पण' के सफल प्रकाशन की मंगलकामना करता हूं और पुनः हमेटी स्टाफ को इस नई पहल के लिए बधाई देता हूँ।

सुरेंद्र सिंह यादव

निदेशक, हमेटी

हमेटी, जींद मासिक समाचार पत्रिका 'हमेटी दर्पण' का प्रकाशन कर रही है, यह अति हर्ष का विषय है। 'हमेटी दर्पण' किसानों के लिए ज्ञानवर्धक पत्रिका साबित होगी। हमेटी जींद निरंतर कृषि और किसान के हित में अतुल्य सहयोग दे रही है और यह हमारे लिए गर्व की बात है। हमेटी, जींद द्वारा किए जा रहे नए-नए प्रयास निरंतर सफलता के कीर्तिमान स्थापित करने जा रहे हैं। हमेटी दर्पण भी उन्हीं सफल प्रयासों में से एक है। हमेटी दर्पण के माध्यम से किसानों का जो ज्ञानवर्धन होगा वह अत्यंत सराहनीय होगा।

संपादक की कलम से ...

किसान भाइयो जैसा की आप सभी को विदित है जल प्रकृति की अमूल्य देन है जो जीवन के लिए अति आवश्यक तत्व है व इसका कोई अन्य विकल्प भी नहीं है । मनुष्य के साथ-साथ पेड़-पौधों, जीव- जंतुओं, पशु-पक्षियों आदि सभी का जीवन जल के बगैर संभव ही नहीं है। इस ब्रह्मांड में कुल उपलब्ध पानी का लगभग 97% हिस्सा पीने या खेती के योग्य ही नहीं है जो की समुद्रों में भरा पड़ा है। केवल 3% पानी ही पीने या कृषि योग्य है। इसमें से भी लगभग 1.5% पानी बर्फ के रूप में ग्लेशियरों पर जमा पड़ा है। प्रकृति की इस अमूल्य धरोहर का प्रयोग हमें सोच समझ कर करना चाहिए। इसे कभी भी व्यर्थ नहीं बहाना चाहिए। जल का बचाव करना हम सब का नैतिक कर्तव्य है। हमें इसका सदुपयोग करना होगा। आईए हम सब भारत सरकार व हरियाणा सरकार द्वारा चलाए जा रहे "जल शक्ति अभियान" व "मेरा पानी मेरी विरासत" जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं के साथ जुड़कर जल बचाओ व जल संरक्षण में अपना योगदान दें। बारिश का सीजन शुरू हो चुका है, वर्षा के पानी का ज्यादा से ज्यादा संरक्षण करें। अपने खेत की मेड़ों को मजबूत बनाकर बारिश के पानी को अपने खेत में ही रोकें, इसे व्यर्थ न जाने दें। फालतू पानी को रिचार्ज बोरवेल से जमीन में नीचे उतारें और वाटर रिचार्जिंग करें। धान की बजाय कम पानी की जरूरत वाली फसलों को प्राथमिकता दें। धान को छोड़कर दूसरी अन्य फ़सलों की बिजाई करने या खेत खाली छोड़ने पर हरियाणा सरकार की ₹8000 प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि देनें वाली "मेरा पानी मेरी विरासत" जैसी कल्याणकारी योजना का फायदा उठाएं। धान की भी सीधी बिजाई को ही अपनाएं। अपने खेतों में व आसपास की जमीन में ज्यादा से ज्यादा पेड़ पौधे लगाएं। सिंचाई हेतु तालाब बनाकर टपका या फव्वारा जैसी जल बचाने वाली सिंचाई की विधि अपनाएं। प्राकृतिक खेती को अपनाएं व अपनी फसलों में आच्छादन/मलचिंग का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करें। जहरीले कीटनाशकों व रसायनिक उर्वरकों का कम से कम प्रयोग कर पानी को प्रदूषित होने से बचाएं। अपने दैनिक कार्यों में भी जल का सदुपयोग कर पानी की एक-एक बूंद को बचाएं।

आईए, जल बचाव व जल संरक्षण वाले इस पुण्य के कार्य में हम सब अपनी भागीदारी निभाएं।

" जल है तो जीवन है "

"रहिमन पानी राखिय बिन पानी सब सुन , पानी गए ना उपजे मोती ,मानुष , चून "

हमेटी, जींद में प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण के दूसरे दिन बहुफसली प्रणाली, बागवानी एवं एग्रोफोरेस्ट्री पर विशेषज्ञ व्याख्यान

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (NMNF)-2026 के अंतर्गत हमेटी, जींद में 31 अगस्त से 4 सितंबर 2026 तक आयोजित Community Resource Person किसानों के लिए 5-दिवसीय प्रोंतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन डॉ. राजेश लाठर, DES (Horticulture),कृषि विज्ञान केंद्र (KVK), पंचकूला ने प्रतिभागियों के साथ प्राकृतिक खेती में फसल प्रणाली (Cropping System), बहुफसली खेती (Multi Cropping), बागवानी एवं कृषि वानिकी (Agroforestry) के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया। डॉ. राजेश लाठर ने बताया कि प्राकृतिक खेती में एकल फसल के बजाय विविध एवं संतुलित फसल प्रणाली अपनाने से खेत के संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सकता है।

उन्होंने बहुफसली खेती के माध्यम से खेत में जैव विविधता बढ़ाने, जोखिम कम करने तथा किसानों के लिए आय के विभिन्न स्रोत विकसित करने की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। विशेषज्ञ सत्र में बागवानी फसलों को प्राकृतिक खेती से जोड़ने तथा खेतों में उपयुक्त वृक्षों को शामिल कर एग्रोफोरेस्ट्री म डल विकसित करने के महत्व को भी समझाया गया। प्रतिभागियों को फसल चयन, फसल संयोजन एवं स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप विविध कृषि प्रणाली अपनाने से संबंधित महत्वपूर्ण तकनीकी जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का उद्देश्य Community Resource Person किसानों को प्राकृतिक खेती के समेकित, टिकाऊ एवं विविधतापूर्ण कृषि मॉडल से परिचित कराना है, ताकि वे अपने क्षेत्रों में अन्य किसानों को भी बहुफसली खेती, बागवानी एवं कृषि वानिकी के लाभों के प्रति जागरूक कर सकें।

हमेटी, जींद में प्राकृतिक खेती की संभावनाओं एवं उद्देश्यों पर किसान प्रशिक्षण

राज्य योजना (State Plan Scheme) के अंतर्गत 2 सितंबर 2026 को हमेटी, जींद में आयोजित प्राकृतिक खेती पर किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान डॉ. विनोद कुमार, सेवानिवृत्त SDAO, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा ने "प्राकृतिक खेती की संभावनाएं एवं उद्देश्य (Scope and Objectives of Natural Farming)" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। उन्होंने किसानों को प्राकृतिक खेती की उपयोगिता, वर्तमान कृषि परिस्थितियों में इसकी आवश्यकता तथा भविष्य की संभावनाओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

डॉ. विनोद कुमार ने प्राकृतिक खेती के प्रमुख उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए मृदा स्वास्थ्य में सुधार, स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग, खेती की लागत में कमी तथा टिकाऊ कृषि प्रणाली को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर चर्चा की। उन्होंने किसानों को प्राकतिक खेती अपनाते समय खेत की परिस्थितियों, उपलब्ध संसाधनों एवं फसल प्रणाली को ध्यान में रखते हुए चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। साथ ही प्राकतिक खेती को पर्यावरण संरक्षण एवं दीर्घकालिक कृषि स्थिरता से जोड़कर समझाया गया। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों को प्राकतिक खेती की अवधारणा एवं संभावनाओं को बेहतर ढंग से समझने में सहायता करते हैं तथा कम लागत, स्वस्थ मृदा एवं टिकाऊ खेती की दिशा में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

हमेटी, जींद में प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण के दौरान मिट्टी नमूना संग्रह का व्यवहारिक प्रशिक्षण

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (NMNF)-2026 के अंतर्गत हमेटी, जींद में 31 अगस्त से 4 सितंबर 2026 तक आयोजित Community Resource Person (CRP) के लिए 5-दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन प्रतिभागियों ने मृदा परीक्षण हेतु मिट्टी का नमूना संग्रह (Soil Sample Collection) करने का व्यवहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने स्वयं खेत से मिट्टी के नमूने एकत्र कर सही नमूना लेने की प्रक्रिया को व्यवहारिक रूप से समझा। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

व्यवहारिक सत्र के दौरान मिट्टी का प्रतिनिधि नमूना लेने की सही विधि, नमूना संग्रह के लिए उचित स्थान का चयन, आवश्यक सावधानियों तथा परीक्षण हेतु नमूने को तैयार करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई। मृदा परीक्षण के माध्यम से किसान अपने खेत की मिट्टी की उर्वरता एवं पोषक तत्वों की स्थिति को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं। यह जानकारी खेत एवं फसल की आवश्यकता के अनुरूप उचित पोषण एवं प्रबंधन संबंधी निर्णय लेने में उपयोगी होती है। इस व्यवहारिक प्रशिक्षण का उद्देश्य Community Resource Person को मृदा नमूना संग्रह की सही तकनीक में दक्ष बनाना है, ताकि वे अपने क्षेत्रों में अन्य किसानों को भी मृदा परीक्षण एवं मृदा स्वास्थ्य के महत्व के प्रति जागरूक कर सकें।

हमेटी, जींद में प्राकृतिक उत्पादों के प्रमाणन एवं विपणन पर विशेषज्ञ व्याख्यान

हमेटी, जींद में 1 से 3 सितंबर 2026 तक आयोजित 3-दिवसीय आवासीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान हरियाणा के विभिन्न जिलों से आए 50 किसानों को डॉ. परमिंदर मलिक, DE, कृषि विज्ञान केंद्र (KVK), सोनीपत ने प्राकृतिक उत्पादों के प्रमाणन (Certification) एवं विपणन (Marketing) विषय पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने किसानों को प्राकृतिक उत्पादों की विश्वसनीयता, बाजार में पहचान तथा बेहतर मूल्य प्राप्त करने के लिए प्रमाणन एवं प्रभावी विपणन की आवश्यकता के बारे में समझाया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

डॉ. परमिंदर मलिक ने प्रतिभागियों को प्राकृतिक उत्पादों के प्रमाणन की प्रक्रिया, गुणवत्ता मानकों, उपभोक्ता विश्वास तथा बाजार से जुड़ने के विभिन्न माध्यमों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उचित प्रमाणन से प्राकृतिक उत्पादों की पहचान और विश्वसनीयता को मजबूत करने में सहायता मिलती है। विशेषज्ञ सत्र में किसानों को ब्रांडिंग, पैकेजिंग, मूल्य संवर्धन (Value Addition), स्थानीय एवं संगठित बाजारों तक पहुंच तथा उपभोक्ताओं के साथ बेहतर जुड़ाव की महत्ता से भी अवगत कराया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों को केवल प्राकृतिक उत्पादन तकनीकों तक सीमित न रखते हुए उन्हें प्राकृतिक उत्पादों के बेहतर विपणन एवं आयवृद्धि के अवसरों से जोड़ना भी है, ताकि प्राकृतिक खेती को आर्थिक रूप से अधिक मजबूत एवं टिकाऊ बनाया जा सके।

DAESI प्रशिक्षण, भिवानी में जैव उर्वरकों एवं पादप वृद्धि नियामकों पर विशेषज्ञ व्याख्यान

DAESI प्रशिक्षण कार्यक्रम, भिवानी (TP No- 3341) के अंतर्गत 5 सितंबर 2026 को कृषि विज्ञान केंद्र (KVK), भिवानी में आयोजित प्रातः कालीन सत्र के दौरान डॉ. जय किशन, विषय विशेषज्ञ (Agronomy), भिवानी ने "पादप वृद्धि को प्रोत्साहित करने वाले जैव उर्वरक एवं पादप वृद्धि नियामक (Plant Growth Promoting Bio&fertilisers & Plant Growth Regulators)" विषय पर प्रतिभागियों को महत्वपूर्ण तकनीकी जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

डॉ. जय किशन ने प्रशिक्षणार्थियों को जैव उर्वरकों के महत्व, पौधों की वृद्धि एवं विकास में उनकी भूमिका तथा पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ाने में इनके उपयोग के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने टिकाऊ कृषि में जैव उर्वरकों के वैज्ञानिक एवं संतुलित उपयोग की उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला। विशेषज्ञ सत्र में पादप वृद्धि नियामकों (Plant Growth Regulators) की भूमिका, पौधों की विभिन्न वृद्धि अवस्थाओं पर उनके प्रभाव तथा कृषि उत्पादन में इनके उचित उपयोग से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की गई। इस प्रकार के तकनीकी सत्र DAESI प्रशिक्षणार्थियों के कृषि संबंधी ज्ञान को मजबूत करते हुए उन्हें किसानों तक वैज्ञानिक, संतुलित एवं टिकाऊ कृषि तकनीकों की सही जानकारी पहुंचाने में सक्षम बनाते हैं।

हमेटी, जींद में प्राकृतिक खेती के चार प्रमुख स्तंभों पर विशेषज्ञ व्याख्यान

राज्य योजना (State Plan Scheme) के अंतर्गत हमेटी, जींद में आयोजित 3-दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 8 सितंबर 2026 को डॉ. प्रीति मलिक, DES, कृषि विज्ञान केंद्र (KVK), जींद ने "प्राकृतिक खेती के चार प्रमुख स्तंभ (Four Core Pillars of Natural Farming)" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को प्राकृतिक खेती के मूल आधार, उनके महत्व तथा खेत में उनके व्यवहारिक उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया। डॉ. प्रीति मलिक ने प्राकृतिक खेती के चार प्रमुख स्तंभों बीजामृत, जीवामृत, आच्छादन (Mulching) और वाफसा की अवधारणा एवं उपयोगिता को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि इन सिद्धांतों का समुचित उपयोग प्राकृतिक खेती की व्यवस्था को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

विशेषज्ञ सत्र में मृदा की जैविक सक्रियता एवं स्वास्थ्य को बेहतर बनाने, नमी संरक्षण, स्थानीय संसाधनों के उपयोग तथा बाहरी कृषि आदानों पर निर्भरता कम करने से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी चर्चा की गई। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को प्राकृतिक खेती के मूल सिद्धांतों की तकनीकी एवं व्यवहारिक समझ प्रदान करना है, ताकि वे अपने खेतों में इन पद्धतियों को बेहतर ढंग से अपना सकें और टिकाऊ एवं पर्यावरण-अनुकूल कृषि की दिशा में आगे बढ़ सकें।

हमेटी, जींद में प्राकृतिक खेती में मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन पर विशेषज्ञ व्याख्यान

राज्य योजना (State Plan Scheme) के अंतर्गत हमेटी, जींद में आयोजित 3-दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 8 सितंबर 2026 को डॉ. आर. एस. मलिक, सेवानिवृत्त वैज्ञानिक, सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (CCSHAU), हिसार ने "प्राकृतिक खेती में मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन (Soil Health Management in Natural Farming)" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को प्राकृतिक खेती में स्वस्थ एवं उपजाऊ मिट्टी के महत्व तथा मृदा स्वास्थ्य को बनाए रखने से जुड़े प्रमुख पहलुओं की जानकारी प्रदान की।
कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव,हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

डॉ. आर. एस. मलिक ने प्राकृतिक खेती में मृदा की जैविक सक्रियता, पोषक तत्वों की उपलब्धता, मिट्टी की संरचना तथा नमी संरक्षण के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने मृदा को एक जीवंत प्राकृतिक संसाधन के रूप में समझते हुए उसके स्वास्थ्य को दीर्घकाल तक बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। विशेषज्ञ सत्र के दौरान स्थानीय एवं प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग, फसल विविधता, जैविक पदार्थों के पुनर्चक्रण तथा उचित जल एवं मृदा प्रबंधन जैसे विषयों पर भी प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया गया। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों को मृदा स्वास्थ्य और प्राकृतिक खेती के बीच संबंध को बेहतर ढंग से समझने में सहायता करते हैं तथा स्वस्थ मिट्टी, टिकाऊ उत्पादन एवं पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं।

हमेटी, जींद में प्राकृतिक खेती हेतु विभिन्न जैविक घोल तैयार करने की विधियों पर विशेषज्ञ व्याख्यान

हमेटी, जींद में 8 से 10 सितंबर 2026 तक आयोजित 3-दिवसीय प्राकृतिक खेती किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान डॉ. विनोद कुमार, नेशनल फैसिलिटेटर, MANAGE हैदराबाद ने "प्राकृतिक खेती में विभिन्न जैविक घोलों की तैयारी की विधियां (Methods of Preparation of Different Bio Formulations in Natural Farming)" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को प्राकृतिक खेती में उपयोग होने वाले विभिन्न जैविक घोलों की अवधारणा, तैयारी की प्रक्रिया एवं उनके व्यवहारिक उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की।
कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

डॉ. विनोद कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को स्थानीय एवं आसानी से उपलब्ध संसाधनों से विभिन्न जैविक घोल तैयार करने की विधि, उनकी उपयोगिता तथा फसल एवं मृदा स्वास्थ्य में उनकी भूमिका के बारे में समझाया। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि प्राकृतिक खेती में इन जैविक तैयारियों का सही तरीके से उपयोग बाहरी कृषि आदानों पर निर्भरता कम करने में सहायक हो सकता है। विशेषज्ञ सत्र के दौरान प्रतिभागियों को जैविक घोलों की तैयारी में उचित मात्रा, मिश्रण, सावधानियां, उपयोग का समय तथा फसल की आवश्यकता के अनुसार प्रयोग से जुड़े महत्वपूर्ण व्यवहारिक पहलुओं की जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक खेती की ऐसी कम लागत, स्थानीय संसाधन आधारित एवं पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों से परिचित कराना है, जिन्हें वे अपने खेतों में आसानी से अपनाकर टिकाऊ कृषि की दिशा में आगे बढ़ सकें।

हमेटी, जींद में प्राकृतिक रूप से उत्पादित कृषि उत्पादों के विपणन पर विशेषज्ञ व्याख्यान

राज्य योजना (State Plan Scheme) के अंतर्गत हमेटी, जींद में आयोजित 3-दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण काय र्क्रम के दौरान 9 सितंबर 2026 को डॉ. परमिंदर मलिक, वरिष्ठ वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केंद्र (KVK), सोनीपत, सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (CCSHAU), हिसार ने "प्राकृतिक रूप से उत्पादित कृषि उत्पादों का विपणन (Marketing of Naturally Grown Product)" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को प्राकृतिक उत्पादों की बाजार में पहचान, उपभोक्ता विश्वास, उचित मूल्य प्राप्त करने तथा बेहतर विपणन रणनीतियों के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

डॉ. परमिंदर मलिक ने प्राकृतिक रूप से उत्पादित फसलों एवं कृषि उत्पादों के लिए उचित पैकेजिंग, ब्रांडिंग, गुणवत्ता, बाजार से सीधा जुड़ाव तथा उपभोक्ताओं तक विश्वसनीय तरीके से पहुंच बनाने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। विशेषज्ञ सत्र के दौरान किसानों को स्थानीय बाजार, किसान समूहों, प्रत्यक्ष विपणन, मूल्य संवर्धन (Value Addition) तथा बेहतर बाजार संपर्क के माध्यम से अपने उत्पादों का मूल्य बढ़ाने की संभावनाओं के बारे में भी बताया गया। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों को प्राकृतिक खेती के साथ-साथ उत्पादन से विपणन तक की पूरी श्रृंखला को समझने में सहायता करते हैं, ताकि वे अपने प्राकृतिक उत्पादों के लिए बेहतर बाजार अवसर विकसित कर सकें और अपनी आय में वृद्धि की दिशा में आगे बढ़ सकें।

हमेटी, जींद में प्राकृतिक खेती में कीट प्रबंधन पर विशेषज्ञ व्याख्यान

राज्य योजना (State Plan Scheme) के अंतर्गत हमेटी, जींद में आयोजित 3-दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 10 सितंबर 2026 को डॉ. हर भगवान, सेवानिवृत्त DAO ने "प्राकृतिक खेती में कीट प्रबंधन (Insect&Pest Management in Natural Farming)" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को प्राकृतिक खेती में फसलों को हानिकारक कीटों से सुरक्षित रखने तथा पर्यावरण-अनुकूल तरीकों से कीट प्रबंधन करने के महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

डॉ. हर भगवान ने प्रतिभागियों को प्रमुख हानिकारक कीटों की पहचान, उनके प्रकोप के लक्षण, फसल की नियमित निगरानी तथा समय पर प्रबंधन के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने प्राकृतिक खेती के अनुरूप कीट प्रबंधन में स्थानीय संसाधनों एवं प्राकृतिक उपायों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। विशेषज्ञ सत्र में किसानों को कीटों की समय पर पहचान, खेत में जैव विविधता बनाए रखने तथा प्राकृतिक एवं पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन उपायों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि फसल सुरक्षा के साथ कृषि पारिस्थितिकी का संतुलन भी बनाए रखा जा सके। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों को प्राकृतिक खेती में फसल सुरक्षा एवं कीट प्रबंधन की व्यवहारिक समझ प्रदान करते हैं तथा कम लागत, सुरक्षित एवं टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने में सहायक होते हैं।

DAESI प्रशिक्षण बैच TP-3460, नूंह में बीज उत्पादन एवं बीज प्रमाणीकरण प्रक्रिया पर विशेषज्ञ व्याख्यान

DAESI प्रशिक्षण बैच TP-3460, जिला नूंह के अंतर्गत आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रातः कालीन एवं सायंकालीन सत्रों के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों को बीज उत्पादन एवं बीज प्रमाणीकरण से संबंधित महत्वपूर्ण तकनीकी जानकारी प्रदान की गई। प्रातः कालीन सत्र में डॉ. ए. के. त्यागी, सेवानिवृत्त विषय विशेषज्ञ (SMS) ने "बीज उत्पादन के सिद्धांत एवं व्यवहार (Principles and Practices of Seed Production)" विषय पर, जबकि सायंकालीन सत्र में डॉ. जे. एस. यादव, सेवानिवृत्त समन्वयक, कृषि विज्ञान केंद्र (KVK), बावल ने "बीज प्रमाणीकरण प्रक्रिया (Seed Certification Proce)" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रातःकालीन सत्र में डॉ. ए.के. त्यागी ने प्रशिक्षणार्थियों को गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन के मूल सिद्धांत, उपयुक्त बीज एवं खेत का चयन, फसल की शुद्धता बनाए रखने तथा बीज उत्पादन के दौरान आवश्यक सावधानियों के बारे में विस्तार से समझाया। सायंकालीन सत्र में डॉ. जे.एस. यादव ने बीज प्रमाणीकरण के उद्देश्य, विभिन्न चरणों, गुणवत्ता मानकों एवं प्रमाणीकरण प्रक्रिया से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण एवं प्रमाणित बीज की कृषि उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला। इस प्रकार के तकनीकी सत्र DAESI प्रशिक्षणार्थियों के ज्ञान एवं व्यावसायिक दक्षता को मजबूत करते हुए उन्हें किसानों तक गुणवत्तापूर्ण बीज, वैज्ञानिक बीज उत्पादन एवं प्रमाणित बीज के महत्व की सही जानकारी पहुंचाने में सक्षम बनाते हैं।

हमेटी, जींद में कृषि यंत्रीकरण की संभावनाओं एवं महत्व पर विशेषज्ञ व्याख्यान

हमेटी, जींद के प्रशिक्षण कार्यक्रम TP-3414 के अंतर्गत 6 सितंबर 2026 को आयोजित प्रशिक्षण सत्र में इंजी. रवि कुमार, DES, कृषि विज्ञान केंद्र (KVK), जींद ने कृषि यंत्रीकरणेंषि में संभावनाएं एवं महत्व (Farm Mechanisation – Scope and Importance in Agriculture)" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। प्रशिक्षण बैच में कुल 40 प्रतिभागी पंजींत हैं, जिनमें से इस सत्र में 35 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

इंजी. रवि कुमार ने प्रतिभागियों को आधुनिक कृषि में कृषि मशीनरी एवं यंत्रों की उपयोगिता, समय और श्रम की बचत तथा कृषि कार्यों को अधिक कुशल एवं समयबद्ध बनाने में कृषि यंत्रीकरण की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विशेषज्ञ सत्र के दौरान खेती के विभिन्न कार्यों में उपयुक्त कृषि यंत्रों के चयन, मशीनों के सही एवं सुरक्षित उपयोग तथा आधुनिक कृषि तकनीकों के साथ यंत्रीकरण के समन्वय से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की गई। इस प्रकार के तकनीकी प्रशिक्षण सत्र प्रतिभागियों के कृषि संबंधी ज्ञान को सुदृढ़ करते हुए उन्हें किसानों तक आधुनिक, वैज्ञानिक एवं उपयोगी कृषि तकनीकों की सही जानकारी पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

DAESI प्रशिक्षण, भिवानी में कृषि यंत्रीकरण एवं कस्टम हायरिंग सेंटर की अवधारणा पर विशेषज्ञ व्याख्यान

DAESI प्रशिक्षण कार्यक्रम, भिवानी (TP No- 3341) के अंतर्गत 12 सितंबर 2026 को कृषि विज्ञान केंद्र (KVK), भिवानी में आयोजित प्रातःकालीन सत्र में इंजी. रणबीर सिंह, कनिष्ठ अभियंता, सहायक कृषि अभियंता कार्यालय, भिवानी ने कृषि यंत्रीकरण एवं कस्टम हायरिंग सेंटरेंवर्तमान परिदृश्य में अवधारणा एवं महत्व (Farm Mechanisation & Custom Hiring Centres: Concept and Importance)" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को आधुनिक कृषि में कृषि मशीनरी के बढ़ते महत्व तथा किसानों तक कृषि यंत्रों की पहुंच आसान बनाने में कस्टम हायरिंग सेंटर की भूमिका के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

इंजी. रणबीर सिंह ने प्रतिभागियों को कृषि यंत्रीकरण के लाभ, आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग, समय एवं श्रम की बचत तथा कृषि कार्यों को अधिक कुशल एवं समयबद्ध तरीके से पूरा करने के विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तार से समझाया। विशेषज्ञ सत्र में कस्टम हायरिंग सेंटर (Custom Hiring Centre) की अवधारणा एवं उपयोगिता पर विशेष चर्चा की गई। प्रतिभागियों को बताया गया कि इस व्यवस्था के माध्यम से किसान आवश्यकता के अनुसार कृषि मशीनरी एवं उपकरणों की सेवाओं का लाभ ले सकते हैं, जिससे विशेष रूप से महंगे कृषि यंत्रों तक किसानों की पहुंच को आसान बनाया जा सकता है। इस प्रकार के तकनीकी सत्र DAESI प्रशिक्षणार्थियों के ज्ञान को सुदृढ़ करते हुए उन्हें किसानों तक आधुनिक कृषि यंत्रीकरण, कृषि मशीनरी के उचित उपयोग एवं कस्टम हायरिंग सेवाओं से संबंधित उपयोगी जानकारी पहुंचाने में सक्षम बनाते हैं।

DAESI प्रशिक्षण TP-3460, नूंह में बाजार-आधारित कृषि विस्तार एवं मृदा प्रोफाइल पर विशेषज्ञ व्याख्यान

DAESI प्रशिक्षण कार्यक्रम TP-3460, जिला नूंह के अंतर्गत 13 सितंबर 2026 को के.आर. मंगलम विश्वविद्यालय, सोहना, गुरुग्राम में प्रातःकालीन एवं सायंकालीन दो तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। प्रातःकालीन सत्र में डॉ. अंजलि तोमर, प्रोफेसर, कृषि विस्तार (Eutension) ने ”बाजार-आधारित कृषि विस्तार (Market&led Eutension)“ विषय पर, जबकि सायंकालीन सत्र में डॉ. अग्निभा सिन्हा, प्रोफेसर, मृदा विज्ञान (Soil Science) ने ”मृदा प्रोफाइल, विशेषताएं एवं गुण (Soil Profile] Characteristics and Properties)“ विषय पर प्रशिक्षणार्थियों को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रातःकालीन सत्र में डॉ. अंजलि तोमर ने बाजार की मांग के अनुरूप कृषि उत्पादन, किसानों को बाजार संबंधी सूचनाओं से जोड़ने, उपभोक्ता की आवश्यकता को समझने तथा बेहतर विपणन अवसरों के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कृषि विस्तार सेवाओं को उत्पादन केंद्रित होने के साथ-साथ बाजार की आवश्यकताओं से जोड़ने की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। सायंकालीन सत्र में डॉ. अग्निभा सिन्हा ने प्रशिक्षणार्थियों को मृदा प्रोफाइल की विभिन्न परतों, मिट्टी की भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं तथा मृदा के प्रमुख गुणों के बारे में जानकारी दी। साथ ही फसल उत्पादन में मृदा की प्रकृति एवं उसके गुणों को समझने के महत्व पर चर्चा की गई। इस प्रकार के तकनीकी सत्र DAESI प्रशिक्षणार्थियों को उत्पादन से बाजार तक की बेहतर समझ के साथ मृदा एवं फसल प्रबंधन का वैज्ञानिक ज्ञान प्रदान करते हैं, जिससे वे किसानों को अधिक प्रभावी एवं उपयोगी कृषि परामर्श देने में सक्षम बन सकें।

हमेटी, जींद में प्राकृतिक खेती हेतु विभिन्न जैविक घोल तैयार करने की विधियों पर विशेषज्ञ व्याख्यान

हमेटी, जींद में 15 से 17 सितंबर 2026 तक आयोजित 3-दिवसीय प्राकृतिक खेती किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान डॉ. विनोद कुमार, नेशनल फैसिलिटेटर, MANAGE हैदराबाद ने "प्राकृतिक खेती में विभिन्न जैविक घोल तैयार करने की विधियां (Methods of Preparation of Different Bio&formulations in Natural Farming)" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को प्राकृतिक खेती में उपयोग होने वाले विभिन्न जैविक घोलों की तैयारी, उनकी उपयोगिता एवं खेत में उनके उचित प्रयोग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

डॉ. विनोद कुमार ने किसानों को स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करके विभिन्न जैविक घोल तैयार करने की विधियों के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने प्राकृतिक खेती में इन जैविक तैयारियों की भूमिका तथा मृदा एवं फसल प्रबंधन में इनके उपयोग से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की। विशेषज्ञ सत्र के दौरान प्रतिभागियों को जैविक घोल तैयार करते समय सामग्री का उचित अनुपात, तैयार करने की प्रक्रिया, आवश्यक सावधानियां तथा फसल की आवश्यकता के अनुसार इनके प्रयोग से संबंधित व्यवहारिक जानकारी भी प्रदान की गई। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों को स्थानीय संसाधन आधारित, कम लागत एवं पर्यावरण-अनुकूल प्राकृतिक खेती तकनीकों की व्यवहारिक समझ प्रदान करते हैं, जिससे वे अपने खेतों में प्राकृतिक खेती की पद्धतियों को बेहतर ढंग से अपना सकें।

हमेटी, जींद में प्राकृतिक खेती में कीट प्रबंधन पर विशेषज्ञ व्याख्यान

राज्य योजना (State Plan Scheme) के अंतर्गत हमेटी, जींद में आयोजित 3-दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 17 सितंबर 2026 को डॉ. हर भगवान, सेवानिवृत्त SDAO ने "प्राकृतिक खेती में कीट प्रबंधन (Insect&Pest Management in Natural Farming)" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। उन्होंने किसानों को प्राकृतिक खेती में फसलों को हानिकारक कीटों से सुरक्षित रखने, कीटों की समय पर पहचान तथा प्राकृतिक एवं पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन उपायों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

डॉ. हर भगवान ने प्रतिभागियों को फसलों में लगने वाले प्रमुख हानिकारक कीटों की पहचान, उनके प्रकोप के लक्षण तथा नियमित फसल निगरानी के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि समय पर कीटों की पहचान होने से उचित प्रबंधन उपाय अपनाने में सहायता मिलती है। विशेषज्ञ सत्र के दौरान प्राकृतिक खेती में स्थानीय संसाधनों पर आधारित कीट प्रबंधन उपायों, खेत में जैव विविधता बनाए रखने तथा लाभकारी जीवों के संरक्षण के महत्व पर भी चर्चा की गई। किसानों को फसल एवं कृषि पारिस्थितिकी के बीच प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों को प्राकृतिक खेती में फसल सुरक्षा एवं कीट प्रबंधन की व्यवहारिक समझ प्रदान करते हैं तथा कम लागत, सुरक्षित और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने में सहायक होते हैं।

हमेटी, जींद में 3-दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन

हमेटी, जींद में 15 से 17 सितंबर 2026 तक आयोजित 3-दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन सत्र (Valedictory Session) सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। तीन दिनों के प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को प्राकृतिक खेती की अवधारणा, मृदा एवं फसल प्रबंधन, प्राकृतिक आदानों, कीट प्रबंधन तथा प्राकृतिक खेती से जुड़े विभिन्न तकनीकी एवं व्यवहारिक पहलुओं की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

समापन सत्र के दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल विभिन्न विषयों एवं गतिविधियों का पुनरावलोकन किया गया तथा प्रतिभागियों से प्रशिक्षण के अनुभव एवं सीख साझा की गई। किसानों को प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान को अपने खेतों में व्यवहारिक रूप से अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। तीन दिनों के दौरान विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को प्राकृतिक खेती के मूल सिद्धांतों, स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग, जैविक घोलों की तैयारी, मृदा स्वास्थ्य तथा प्राकृतिक तरीके से कीट एवं फसल प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों को कम लागत, स्थानीय संसाधन आधारित एवं पर्यावरण-अनुकूल प्राकृतिक खेती की बेहतर समझ प्रदान करना तथा उन्हें अपने खेतों में टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा।

हमेटी, जींद में PGDAEM अभ्यर्थियों के लिए 'Facilitation for Development' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान

हमेटी, जींद में 23 सितंबर 2026 को आयोजित PGDAEM (Post Graduate Diploma in Agricultural EÛtension Management) की कॉन्टैक्ट क्लास के दौरान 33 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. रूपेंद्र, जिला विस्तार विशेषज्ञ (District EÛtension Specialist), कृषि विज्ञान केंद्र (KVK), रोहतक ने AEM-102 पाठ्यक्रम के अंतर्गत "Facilitation for Development" विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया तथा प्रतिभागियों को कृषि एवं ग्रामीण विकास में प्रभावी सुविधा-प्रदान (Facilitation) की भूमिका से अवगत कराया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

डॉ. रूपेंद्र ने प्रतिभागियों को Facilitation की अवधारणा, प्रभावी संवाद, सहभागितापूर्ण ष्टिकोण तथा विभिन्न हितधारकों के साथ बेहतर समन्वय के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विकास गतिविधियों में लोगों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने में एक प्रभावी Facilitator की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। विशेषज्ञ सत्र के दौरान प्रतिभागियों को कृषि विस्तार एवं विकास कार्यक्रमों में समूह सहभागिता, संचार कौशल, समस्या समाधान तथा सामूहिक निर्णय प्रक्रिया जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी प्रदान की गई। इस प्रकार की कॉन्टैक्ट क्लास PGDAEM अभ्यर्थियों के कृषि विस्तार प्रबंधन, नेतृत्व एवं Facilitation Skills को सुदृढ़ करने में सहायक है, जिससे वे किसानों एवं अन्य हितधारकों के साथ अधिक प्रभावी ढंग से कार्य कर सकें।

हमेटी, जींद में 3-दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल समापन

हमेटी, जींद में 22 से 24 सितंबर 2026 तक आयोजित 3-दिवसीय प्राकृतिक खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन सत्र (Valedictory Session) सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को प्राकृतिक खेती की अवधारणा, मृदा स्वास्थ्य, स्थानीय संसाधनों के उपयोग, प्राकृतिक आदानों, फसल एवं कीट प्रबंधन सहित प्राकृतिक खेती के विभिन्न तकनीकी एवं व्यवहारिक पहलुओं की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

समापन सत्र के दौरान तीन दिवसीय प्रशिक्षण में शामिल प्रमुख विषयों एवं गतिविधियों का पुनरावलोकन किया गया। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण से प्राप्त अनुभव एवं सीख साझा की तथा प्राकृतिक खेती से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। प्रशिक्षण के माध्यम से किसानों को स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग, खेती की लागत कम करने, मृदा स्वास्थ्य को बनाए रखने तथा पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों के महत्व से अवगत कराया गया। प्रतिभागियों को प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को अपने खेतों में व्यवहारिक रूप से अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों की तकनीकी एवं व्यवहारिक समझ को सुदृढ़ करते हुए प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा कम लागत, स्वस्थ मृदा एवं टिकाऊ कृषि की दिशा में आगे बढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

गांव हसनगढ़ में प्राकृतिक खेती पर एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हिसार जिले के बरवाला ब्लॉक के गांव हसनगढ़ में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ. सुरेन्द्र सिंह यादव, निदेशक, हमेटी जींद के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस प्रशिक्षण में डॉ. सुभाष चन्द्र ने किसानों को हरियाणा सरकार की प्राकृतिक खेती योजना तथा प्राकृतिक खेती अपनाने की विधियों एवं इसके विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान डॉ. सुभाष चन्द्र ने किसानों को प्राकृतिक खेती की मूल अवधारणा, स्थानीय संसाधनों के उपयोग, मृदा स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने तथा खेती में बाहरी आदानों पर निर्भरता कम करने से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। उन्होंने किसानों को प्राकृतिक खेती से जुड़ी विभिन्न तकनीकों को समझाते हुए उन्हें अपने खेत एवं स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप प्राकृतिक खेती पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही सरकार द्वारा प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए चलाई जा रही योजना के प्रमुख पहलुओं से किसानों को अवगत कराया गया। इस एक दिवसीय प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों में प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूकता एवं व्यवहारिक समझ विकसित करना तथा उन्हें कम लागत, स्थानीय संसाधन आधारित और पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों की ओर प्रोत्साहित करना रहा।

हमेटी, जींद में प्राकृतिक खेती की अवधारणा, सिद्धांत एवं व्यवहारिक पद्धतियों पर विशेषज्ञ व्याख्यान

राज्य योजना (State Plan Scheme) के अंतर्गत हमेटी, जींद में आयोजित 3-दिवसीय आवासीय प्राकृतिक खेती किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 29 सितंबर 2026 को डॉ. भारत सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, कृषि विस्तार शिक्षा विभाग, कृषि महाविद्यालय, सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (CCSHAU), हिसार ने "प्राकृतिक खेती की अवधारणात्मक समझ सिद्धांत, अवधारणाएं एवं पद्धतियां (Conceptual Understanding of Natural Farming – Principles] Concepts and Practice)" विषय पर प्रतिभागियों के साथ संवाद करते हुए विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, IAS के मार्गदर्शन में किया गया।

डॉ.भारत सिंह ने किसानों को प्राकृतिक खेती की मूल अवधारणा एवं प्रमुख सिद्धांतों के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने प्राकृतिक खेती में स्थानीय संसाधनों के उपयोग, मृदा स्वास्थ्य, जैव विविधता तथा प्राकृतिक कृषि पद्धतियों के महत्व पर प्रकाश डाला। विशेषज्ञ सत्र के दौरान प्रतिभागियों को प्राकृतिक खेती के सिद्धांतों को केवल सैद्धांतिक रूप से समझने के बजाय खेत की परिस्थितियों एवं उपलब्ध स्थानीय संसाधनों के अनुरूप व्यवहारिक रूप से अपनाने के विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्रदान की गई। किसानों के साथ संवाद के माध्यम से प्राकृतिक खेती से जुड़े महत्वपूर्ण प्रश्नों एवं व्यवहारिक विषयों पर भी चर्चा की गई। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों की प्राकृतिक खेती संबंधी वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक समझ को सुदृढ़ करते हैं तथा उन्हें कम लागत, स्थानीय संसाधन आधारित और पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं।

हमेटी, जींद में प्राकृतिक खेती में मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन पर विशेषज्ञ व्याख्यान

राज्य योजना के अंतर्गत हमेटी, जींद में आयोजित तीन दिवसीय आवासीय प्राकृतिक खेती किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान 29 सितंबर 2026 को डॉ. धीरज पंघाल, जिला विस्तार विशेषज्ञ (मृदा विज्ञान), कृषि विज्ञान केंद्र, पांडु पिंडारा, जींद, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार ने "प्राकृतिक खेती में मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन" विषय पर प्रतिभागियों के साथ संवाद करते हुए विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का आयोजन हमेटी के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग श्री विजयेंद्र कुमार, आईएएस के मार्गदर्शन में किया गया।

डॉ. धीरज पंघाल ने किसानों को प्राकृतिक खेती में स्वस्थ मिट्टी के महत्व, मृदा की उर्वरता, जैविक सक्रियता, पोषक तत्वों की उपलब्धता तथा मिट्टी की संरचना एवं नमी बनाए रखने से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विशेषज्ञ सत्र के दौरान उन्होंने स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग, जैविक पदार्थों के पुनर्चक्रण, फसल विविधता तथा उचित मृदा एवं जल प्रबंधन के माध्यम से मृदा स्वास्थ्य को बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रतिभागियों को प्राकृतिक खेती में मिट्टी को एक जीवंत एवं महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन के रूप में समझने के लिए प्रेरित किया गया। इस प्रशिक्षण के माध्यम से किसानों को प्राकृतिक खेती और मृदा स्वास्थ्य के बीच महत्वपूर्ण संबंध को समझने का अवसर मिला, जिससे वे स्वस्थ मिट्टी, टिकाऊ फसल उत्पादन एवं पर्यावरण-अनुकूल कृषि पद्धतियों की दिशा में बेहतर तरीके से आगे बढ़ सकें।

Media Coversage

प्रशिक्षण

प्रत्येक क्लस्टर से दो किसानों का कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन के लिए चयन किया गया

43 किसान बने सीआरपी, प्राकृतिक खेती का देंगे प्रशिक्षण

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। प्रदेश में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए 16 जिलों के 43 किसानों को कम्युनिटी रिसोर्स पर्सन (सीआरपी) के रूप में तैयार किया गया है। हरियाणा कृषि प्रबंधन एवं विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (हमेटी), जींद में इन किसानों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण के दौरान किसानों को प्राकृतिक खेती की तकनीकों के साथ-साथ इन्हें दूसरे किसानों तक पहुंचाने की व्यवहारिक जानकारी दी गई। हमेटी निदेशक डॉ. सुरेंद्र सिंह यादव ने बताया कि पिछले वर्ष प्रदेश के विभिन्न खंडों में प्राकृतिक खेती करने वाले 125-125 किसानों के 150 क्लस्टर बनाए गएं थे। अब 38 नए क्लस्टर बनाने का निर्णय लिया गया है।

प्रत्येक क्लस्टर से दो किसानों का सीआरपी के लिए चयन किया गया है। ये किसान अपने क्षेत्र में अन्य किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रशिक्षित करेंगे और कृषि विभाग के साथ समन्वय कर काम करेंगे उन्होंने बताया कि सरकार की ओर से प्राकृतिक खेती को

हमेटी में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षण लेने वाले किसानों को प्रमाण पत्र देकर हुए। स्रोत: संस्थान

जिले में अब 38 नए क्लस्टर बनाने का निर्णय लिया गया

प्रोत्साहित करने के लिए निशुल्क प्रशिक्षण के अलावा देशी गाय खरीदने पर 30 हजार रुपये और एक एकड़ प्राकृतिक खेती करने पर चार हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है।

प्रशिक्षण संयोजक डॉ. सुभाष चंद्र ने बताया कि किसानों को जीवामृत, घनजीवामृत, मल्चिंग, जल संरक्षण, बहुफसलीय खेती तथा नीम, आक और धतूरा से प्राकृतिक कीट नियंत्रक तैयार करने की जानकारी दी गई।

किसानों को गुरुकुल कुरुक्षेत्र के प्राकृतिक खेती फार्म और गांव करोड़ा में किसान मनोज कुमार के खेत का भ्रमण भी करवाया गया। यहां एक एकड़ में मल्टी-लेयर खेती से चार फसलें उगाने का मॉडल दिखाया गया।

अमर उजाला 6-9-2026

कृषि एवं किसान
कल्याण मंत्रालय
MINISTRY OF
AGRICULTURE AND
FARMERS WELFARE

HELPLINE NUMBER
(NATION WIDE)

Information related to

NATURAL FARMING

Specifically for Master Trainers, Training Coordinators and Facilitators of *Krishi Sakhis*

HELP LINE

DIAL - 1800-599-1557

Timings - 9:00 A.M to 5.30 P.M
(Monday to Friday) All working days

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)

National Institute of Agricultural Extension Management (MANAGE)
(An Autonomous Organization of Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, Govt. of India)
Rajendranagar, Hyderabad 500 030, Telangana
www.manage.gov.in/nf/nf.asp

Follow us on

https://www.facebook.com/people/Hameti-Agriculture-Govt-Of-Haryana/100085796884495

https://www.instagram.com/hameti_jind?igsh=MW9tamg5cDV5eXpvMA==

https://www.youtube.com/@hametijind

https://x.com/Hameti_jind?t=SmkjZTrWKua5StdnrfwW4Q&s=08

TOLLFREE NUMBER: 18001803001 / 18001804002 / 1800180311/ 18001801551

HARYANA AGRICULTURAL MANAGEMENT & EXTENTION TRAINING INSTITUTE (HAMETI)

(An Institute of Agriculture & Farmers Welfare Department, Haryana)

Near Ch. Rabir Singhunioversity, Rohtak By-Pass, Jind-126102 Haryana

hametijind@gmail.com 01681-256453